प्रार्थना

इतनी शक्ति हमें देना दाता,
मन का विश्वास कमजोर हो ना ।
हम चले नेक रस्ते पे हमसे,
भूल कर भी कोई भूल हो ना ।
इतनी शक्ति हमें देना दाता,
मन का विश्वास कमजोर हो ना ।
हर तरफ जुल्म है बेबसी है,
सेहमा सेहमा स हर आदमी है ।
पाप का बोझ बढता ही जाये,
जाने कैसे ये धरती थमी है ।
बोझ ममता से तू ये उठाले,
मेरे रचना का ये अंत होगा ।
हम चले नेक रस्ते पे हमसे,
भूल कर भी कोई भूल हो ना ।
इतनी शक्ति हमें देना दाता,
मन का विश्वास कमजोर हो ना ।
हम अंधेरे में है रोशनी दे,
खो ना दे खुदको ही दुश्मनी से ।

हम सजा पाए अपने किये की,
मौत भी हो तो सेहले खुसी से ।
कल जो गुजरा है फिर से ना गुजरे,
ओनेवाला वो कल ऐसा हो ना ।
हम चले नेक रस्ते पे हमसे,
भूल कर भी कोई भूल हो ना ।
इतनी शक्ति हमें देना दाता,
मन का विश्वास कमजोर हो ना ।